B.A.-III (CBCS Pattern) Semester - VI

BA36B-3 - Hindi Literature

P. Pages : 3 **GUG/S/23/13437**

Time : Three Hours * 0 0 1 7 * Max. Marks : 80

सुचनाएँ :- 1. सभी प्रश्न अनिवार्य है।

1. निम्नलिखित दीर्घोत्तरी प्रश्नों में से **किसी एक** प्रश्न का उत्तर लिखिए। **20**

अ) श्रीमती महादेवी वर्मा के काव्य की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा

ब) बंगाल का अकाल कविता का भावार्थ लिखिए।

2. निम्नलिखित अवतरणों में से **किसी एक** खण्ड के सभी अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या किजिए। **20**

खण्ड 'क'

1) बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ।
नीद भी मेरी अचल निस्पन्द कण में,
प्रथम जागृति भी जगत के प्रथम स्पंदन में,
प्रलय में मेरा पता पद्चिन्ह जीवन में,
शाप हूँ जो बन गया वरदान वंधन में
कूल भी हूँ कूलहीन प्रवाहिनी भी हूँ।

2) झंझा है दिग्भांत रात की मुर्च्ग गहरी,
आज पुजारी बने ज्योति का यह लघु प्रहरी,
जब तक लौटे दिन की हलचल,
तब तक यह जागेगा प्रतिपल
रेखाओं में भर आभा जल,
दूत साँझ का इसे प्रभाती तक चलने दो॥

3) जहाँ सोचा था वन के बीच मिलेंगे खिलते कोमल फूल,
वहॉ क्या देख रहा हूँ कि हाये तीखे शूल बबूल,
कभी अंकुरित करुंगा सृष्टि,
अभी तो अंगारो की वृष्टि।

4) दूर कहीं पर अमराई में कोयल बोली,
परत लगी चढ़ने झींगुर की शहनाई पर।
वृध्द वनस्पतीयों की ठुंठी शाखाओं में,
पोर-पोर टहनी-टहनी का लगा दहकने,
टेसू निकले, मुकुलों के गुच्छे गदराये,
अलसी के नीले फूलों पर नभ मुस्काया॥

अथवा

खण्ड 'ख'

5) सारे शीतल कोमल नुतन
मांग रहे तुझसे ज्वाला कण,
विश्वशलभ सिर धुन कहता है,
हायन जल पाया तुझ में मिल।
सिहर-सिहर मेरे दीपक जल॥

6) आग हूँ जिससे ढलकते बिंदू हिमजल के,
शुन्य हूँ जिसकी बिछे है पाँवडे पल के,
पुल कहूँ वह जो पला है, कंठिन प्रात्तर में,
नील घन भी हूँ सुनहली दामिनी भी हूँ॥

7) उन सुंदर चरणों का अर्चन,
करने आसू से सिधू-नयन।
पद-रेखों में उच्छवास पवत-
देखा करता अंकित अपनी
सौभाग्य सुरेखा कल्याणी।
वह पग ध्वनी मेरी पहचानी।

8) मुखर हुई बॉसुरी, अंगुलियां लगी थिरकने,
पिचके गालों तक पर है कुंकम न्यौछावर,
टूट पड़े भौरे रसाल की मंजरियों पर
मुरक न जावें सहजन की ये ललक टहनियाँ॥

3. निम्नलिखित लघुत्तरी प्रश्नों में से **किन्ही तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **15**

1) आधुनिक काल की विशेषताएँ लिखिए।

2) छायावादी कवियों के नाम लिखकर उनकी रचनाओं का उल्लेख किजिए।

3) भारतेन्दुयुग की विशेषताएँ लिखिए।

4) व्दिवेदी युगीन काव्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

5) प्रगतिवाद से क्या तात्पर्य है? स्पष्ट किजिए।

4. निम्नलिखित लघुत्तरी प्रश्नों में से **किन्ही तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **15**

1) प्रयोगवाद की काव्यगत विशेषताए लिखिए।

2) छलावाद किसे कहते है?

3) अकविता से क्या तात्पर्य है?

4) उपन्यास एवं कहानी में अन्तर लिखिए।

5) नाटक के तत्त्व लिखिए।

5. निम्नलिखित सभी अति लघुत्तरी प्रश्नों के उत्तर लिखना अनिवार्य है। **10**

1) 'वे और तुम' शीर्षक कविता का भावार्थ लिखिए।

2) पंथ अपरिचित कविता का उद्देश्य और संदेश लिखिए।

3) 'पग ध्वनी' शीर्षक कविता के केंद्रीय भाव का संक्षेप में उल्लेख किजिए।

4) प्रयोगवाद किसे कहते है।

5) छायावाद की परिभाषा किजिए।

****